

ks. Mirosław Maliński



Wydawnictwo WAM

# Spis rozdziałów



|   |          |
|---|----------|
| <b>Do czego służy ta książka?</b> ..... | <b>5</b> |
| 1. Łk 1, 1–4.....                       | 11       |
| 2. Łk 1, 5–25 .....                     | 14       |
| 3. Łk 1, 26–38.....                     | 19       |
| 4. Łk 1, 39–58.....                     | 23       |
| 5. Łk 2, 1–17 .....                     | 28       |
| 6. Łk 2, 21–38.....                     | 32       |
| 7. Łk 2, 39–40.....                     | 36       |
| 8. Łk 2, 41–48.....                     | 38       |
| 9. Łk 2, 49–51.....                     | 43       |
| 10. Łk 3, 1–6.....                      | 45       |
| 11. Łk 3, 10–18.....                    | 49       |
| 12. Łk 3, 15–16.21–22 .....             | 53       |
| 13. Łk 4, 1–13 .....                    | 56       |
| 14. Łk 4, 14–21 .....                   | 60       |
| 15. Łk 4, 21–30.....                    | 64       |

|                                    |     |
|------------------------------------|-----|
| <b>16.</b> Łk 4, 38–39 .....       | 68  |
| <b>17.</b> Łk 5, 1–11 .....        | 72  |
| <b>18.</b> Łk 5, 12–16 .....       | 76  |
| <b>19.</b> Łk 5, 17–26 .....       | 80  |
| <b>20.</b> Łk 5, 27–35 .....       | 85  |
| <b>21.</b> Łk 5, 36–39 .....       | 88  |
| <b>22.</b> Łk 6, 6–11 .....        | 91  |
| <b>23.</b> Łk 6, 20–23 .....       | 94  |
| <b>24.</b> Łk 6, 27–36 .....       | 97  |
| <b>25.</b> Łk 6, 37–44 .....       | 101 |
| <b>26.</b> Łk 6, 45–49 .....       | 105 |
| <b>27.</b> Łk 7, 1–10 .....        | 108 |
| <b>28.</b> Łk 7, 11–17 .....       | 112 |
| <b>29.</b> Łk 7, 18–23 .....       | 115 |
| <b>30.</b> Łk 7, 24–30 .....       | 118 |
| <b>31.</b> Łk 7, 36 – 8, 3 .....   | 121 |
| <b>32.</b> Łk 8, 4–15 .....        | 125 |
| <b>33.</b> Łk 8, 16–18 .....       | 131 |
| <b>34.</b> Łk 8, 22–25 .....       | 134 |
| <b>35.</b> Łk 9, 18–24 .....       | 137 |
| <b>36.</b> Łk 9, 28b–36 .....      | 141 |
| <b>37.</b> Łk 9, 46–48 .....       | 145 |
| <b>38.</b> Łk 9, 51–62 .....       | 147 |
| <b>39.</b> Łk 10, 1–12.17–20 ..... | 151 |

|            |                       |     |
|------------|-----------------------|-----|
| <b>40.</b> | Łk 10, 25–37.....     | 155 |
| <b>41.</b> | Łk 10, 38–42.....     | 159 |
| <b>42.</b> | Łk 11, 1–13.....      | 162 |
| <b>43.</b> | Łk 11, 33–36.....     | 166 |
| <b>44.</b> | Łk 11, 37–44.....     | 170 |
| <b>45.</b> | Łk 12, 13–21.....     | 173 |
| <b>46.</b> | Łk 12, 32–48.....     | 177 |
| <b>47.</b> | Łk 12, 49–53.....     | 181 |
| <b>48.</b> | Łk 13, 1–9.....       | 184 |
| <b>49.</b> | Łk 13, 10–17.....     | 188 |
| <b>50.</b> | Łk 13, 18–20.....     | 192 |
| <b>51.</b> | Łk 13, 22–30.....     | 195 |
| <b>52.</b> | Łk 14, 1.7–14.....    | 199 |
| <b>53.</b> | Łk 14, 25–33.....     | 203 |
| <b>54.</b> | Łk 15, 1–11.....      | 207 |
| <b>55.</b> | Łk 15, 1–3.11–32..... | 211 |
| <b>56.</b> | Łk 16, 10–13.....     | 218 |
| <b>57.</b> | Łk 16, 19–31.....     | 222 |
| <b>58.</b> | Łk 17, 5–10.....      | 226 |
| <b>59.</b> | Łk 17, 11–19.....     | 229 |
| <b>60.</b> | Łk 18, 1–8.....       | 232 |
| <b>61.</b> | Łk 18, 9–14.....      | 236 |
| <b>62.</b> | Łk 18, 15–17.....     | 240 |
| <b>63.</b> | Łk 18, 18–27.....     | 244 |

|            |                         |     |
|------------|-------------------------|-----|
| <b>64.</b> | Lk 18, 28–30.....       | 248 |
| <b>65.</b> | Lk 18, 35–43.....       | 250 |
| <b>66.</b> | Lk 19, 1–10.....        | 255 |
| <b>67.</b> | Lk 19, 11–28.....       | 259 |
| <b>68.</b> | Lk 20, 1–8.....         | 262 |
| <b>69.</b> | Lk 20, 27–38.....       | 266 |
| <b>70.</b> | Lk 21, 1–4.....         | 270 |
| <b>71.</b> | Lk 21, 5–19.....        | 273 |
| <b>72.</b> | Lk 21, 25–28.34–36..... | 277 |
| <b>73.</b> | Lk 22, 1–13.....        | 280 |
| <b>74.</b> | Lk 22, 14–18.....       | 284 |
| <b>75.</b> | Lk 22, 19–23.....       | 286 |
| <b>76.</b> | Lk 22, 39–46.....       | 289 |
| <b>77.</b> | Lk 22, 47–53.....       | 292 |
| <b>78.</b> | Lk 22, 54–62.....       | 295 |
| <b>79.</b> | Lk 23, 13–25.....       | 298 |
| <b>80.</b> | Lk 23, 33–35.....       | 302 |
| <b>81.</b> | Lk 23, 36–43.....       | 304 |
| <b>82.</b> | Lk 23, 44–49.....       | 307 |
| <b>83.</b> | Lk 23, 50–56.....       | 310 |
| <b>84.</b> | Lk 24, 1–12.....        | 313 |
| <b>85.</b> | Lk 24, 13–35.....       | 317 |
| <b>86.</b> | Lk 24, 36–43.....       | 323 |
| <b>87.</b> | Lk 24, 47–53.....       | 326 |